खबर संक्षेप

शादी का झांसा देकर शहडोल भगा ले गया था आरोपी गिरफ्तार

मैहर। मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में 17 वर्षीय नाबालिग के साथ अपहरण और दुष्कर्म का सनसनीखेज मामला सामने आया है। आरोपी ने किशोरी को शादी का झांसा देकर अपने प्रेम जाल में फंसाया और उसे घर से भगा ले गया। पुलिस ने कड़ी मशक्कत के बाद पीड़िता को शहडोल से दस्तयाब किया,जिसके बाद आरोपी को बुधवार सुबह गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। पुलिस के अनुसार,बीते 4 मार्च को 17 वर्षीय नाबालिग रहस्यमय ढंग से अपने घर से लापता हो गई थी। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन जब कोई सुराग नहीं मिला तो पीड़ित पिता ने रामनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शुरुआत में अज्ञात के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर खोजबीन शुरू की।

जनपद सदस्य के घर निकला सांप

सतना। जनपद सदस्य मिथिला गर्ग के निवास पर उस समय हड़कंप मच गया जब घर के भीतर एक विशाल और जहरीला सांप देखा गया। सांप के घर में घुसने की खबर मिलते ही परिवार के सदस्य और आसपास के लोग दहशत में आ गए। आनन-फानन में इसकी सूचना वन विभाग की टीम को दी गई। मामला एक जनप्रतिनिधि के घर का होने और रिहायशी इलाका होने के कारण वन विभाग ने भी तत्परता दिखाई। सूचना मिलते ही वन विभाग की रेस्क्यू टीम आवश्यक उपकरणों के साथ मौके पर पहुंची। काफी मशक्कत के बाद टीम ने सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ लिया।विशेषज्ञों के अनुसार सांप काफी जहरीला था,जिसे रेस्क्यू करने के बाद आबादी से दूर सुरक्षित जंगल में छोड़ दिया गया है।

महापौर ने वार्ड 01 में दी विकास कार्यों की सौगात

सतना। महापौर योगेश कुमार ताम्रकार ने वार्ड क्रमांक 01 में दो प्रमुख निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। क्षेत्र के अवधपुरी कॉलोनी और चूना भट्टा क्षेत्र में होने वाले इन कार्यों की कुल लागत लगभग 50.75 लाख है। अवधपुरी कॉलोनी/चूना भट्टा से आशीष सिंह के घर होते हुए यादव जी के घर तक मार्ग निर्माण लागत 29.82 लाख। अन्य क्षेत्र विकास कार्य लागत 20.93 लाख है। इस अवसर पर नगर निगम के निर्माण विभाग अध्यक्ष गोपी गेलानी सहित कई जनप्रतिनिधि और समाज सेवी उपस्थित रहे।

केजेएस सीमेंट का होली मिलन समारोह संपन्न

सतना। केजेएस सीमेंट का होली मिलन समारोह विगत दिवस स्थानीय डीएनडी रिसोर्ट में संपन्न हुआ जिसमें कंपनी के सतना रीजन के विक्रेता-सहविक्रेता एवं प्रमुख उच्च अधिकारी सम्मिलित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में कंपनी के सीएमओ जुगल किशोर दुबे,वरिष्ठ महाप्रबंधक बीके त्रिपाठी,एमपी जोनल हेड गौरव शुक्ला एवं सीएंडएफ आनंद चतुर्वेदी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।समारोह में रंग-गुलाल एवं होली से संबंधित संस्कृति कार्यक्रम नृत्यगान के अलावा वरिष्ठ विक्रेताओं को विभिन्न उपहार देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम को जुगल किशोर दुबे एवं बीके त्रिपाठी ने संबोधित किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रवीण जेट्टी,राजेश श्रीवास्तव,धर्मेंद्र सिंह,रमन सिंह,ज्ञानेंद्र सिंह,चन्दन गंगेले एवं संजय श्रीवास्तव का विशेष योगदान रहा।

विधायक के प्रयास से मैहर में औषधालय स्वीकृत

मैहर। जिले के सीमेंट उद्योग में कार्यरत श्रमिकों एवं उनके परिजनों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए क्षेत्रीय विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी लंबे समय से प्रयास करते रहे हैं। इसी दिशा में प्रयास कल सार्थक हुए जब मध्य प्रदेश मंत्रिमंडल बैठक में भारत सरकार के कर्मचारी राज्य बीमा निगम (इएसआईसी) द्वारा मैहर (जिला-मैहर), सहित कैमोर (जिला कटनी),तथा निमरानी (जिला खरगौन) में 3 नये औषधालयों को खोलने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

प्रभारी मंत्री का दौरा भी बेअसर

बाजार में जनता बेहाल

सतना।

शहर की हृदय स्थली कहे जाने वाले कोतवाली चौक से वीनस स्वीटस और स्टेशन रोड पसंद नमकीन की दुकान तक मुख्य मार्ग पिछले दो दिनों से पूरी तरह से बदहाल है। जिसके कारण न केवल राहगीर और वाहन चालक परेशान हैं,बल्कि स्थानीय व्यापारियों का धंधा भी चौपट हो रहा है। विडंबना यह है कि जिले के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन को जनता की इस मुसीबत से कोई सरोकार नजर नहीं आ रहा है।

प्रभारी मंत्री के दौरे में भी नहीं सुलझी समस्या

बीते बुधवार को जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का सतना आगमन हुआ। शहरवासियों को उम्मीद थी कि मंत्री के दौरे के दौरान कम से कम मुख्य मार्गों की स्थिति सुधरेगी या बंद रास्तों को खुलवाने के निर्देश दिए जाएंगे। लेकिन अफसोस,भारी लाव-लश्कर के साथ निकले प्रभारी मंत्री को भी यह समस्या नजर नहीं आई। स्थानीय नेताओं ने भी इस दिशा में उन्हें अवगत कराना उचित नहीं समझा,जिससे साफ जाहिर होता है कि 'ऊपर' सब कुछ ठीक दिखाने की कोशिश में जमीन पर जनता को राम भरोसे छोड़ दिया गया है।

मूर्ख बनाने की राजनीति से जनता में आक्रोश

कोतवाली चौक का नजारा देखकर स्थानीय लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। नागरिकों का कहना है कि चुनाव के समय बड़े-बड़े वादे करने वाले जनप्रतिनिधि अब चुप्पी साधे हुए हैं। सोशल मीडिया से लेकर सड़कों तक अब एक ही सवाल गूंज रहा है-जनता अब जाग चुकी है,आखिर मूर्ख बनाने की राजनीति कब बंद होगी?

व्यापार और यातायात कठिन

शहर के सबसे व्यस्ततम व्यापारिक क्षेत्र की कमर टूट गई है।

वैकल्पिक रास्तों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया है,जिससे संकरी गलियों में घंटों जाम लग रहा है। एंबुलेंस और अन्य जरूरी सेवाओं को भी लंबा चक्कर काटकर गंतव्य तक पहुंचना पड़ रहा है। मुख्य मार्ग बंद होने से दुकानों तक ग्राहक नहीं पहुंच पा रहे हैं। जनता अब खोखले आश्वासनों से थक चुकी है। अगर जल्द ही स्टेशन रोड को सुचारू रूप से शुरू नहीं किया गया,तो आने वाले दिनों में प्रशासन को जनता के तीव्र विरोध का सामना करना पड़ सकता है। प्रशासन की यह उदासीनता शहर के विकास और व्यवस्था पर एक बड़ा प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

बीच चौराहे पर खराब हुई बस

यात्री और चालक परेशान

सतना।

शहर के प्रमुख सर्किट हाउस चौराहे पर उस समय अफरा-तफरी का माहौल बन गया,जब एक यात्री बस बीच सड़क पर अचानक खराब होकर बंद हो गई। बस के बीच चौराहे पर रुकते ही चारों ओर से आने वाले वाहनों की कतारें लग गईं और देखते ही देखते जाम की स्थिति निर्मित हो गई। तपती धूप और ट्रैफिक के बीच यात्री और चालक परेशान नजर आए। जब बस काफी कोशिशों के बाद भी स्टार्ट नहीं हुई,तो बस में सवार यात्रियों ने ही मोर्चा संभाला। यात्रियों ने एकजुट होकर बस को पीछे से धक्का लगाना शुरू किया।यात्रियों के इस सामूहिक प्रयास और 'धक्कामार' तकनीक के बाद बस को मुख्य सड़क से हटाकर किनारे किया गया,तब कहीं जाकर यातायात सामान्य हो सका। इस दौरान चौराहे पर मौजूद राहगीरों ने इस दृश्य को अपने कैमरों में कैद किया। गनीमत रही कि यात्रियों के सहयोग से बड़ा जाम लगने से बच गया,अन्यथा सर्किट हाउस जैसे व्यस्त मार्ग पर घंटों आवागमन बाधित रह सकता था। यात्रियों की इस सूझबूझ और मदद की मौके पर मौजूद लोगों ने सराहना की।

लावारिस बाइक मिलने से क्षेत्र में रहस्यमय हालात

सतना।

शहर के व्यस्ततम स्टेशन रोड स्थित विशाल मेगा मार्ट के पास पिछले तीन दिनों से एक लावारिस बाइक सड़क किनारे नाले में पड़ी हुई है।स्थानीय दुकानदारों और वहां से गुजरने वाले राहगीरों के अनुसार, यह बाइक कई दिनों से एक ही स्थिति में लावारिस हालत में है,लेकिन अब तक इसे किसी ने क्लेम नहीं किया है। विशाल मेगा मार्ट जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में इस तरह से वाहन का पड़ा होना सुरक्षा की दृष्टि से भी चिंता का विषय बना हुआ है। हैरानी की बात यह है कि मुख्य मार्ग होने के बावजूद पुलिस गश्ती टीम की नजर इस पर अब तक नहीं पड़ी। स्थानीय लोगों में इस बात को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हैं; कुछ का मानना है कि यह बाइक किसी दुर्घटना का शिकार होकर यहाँ गिरी है,तो कुछ इसे चोरी के बाद ठिकाने लगाए जाने की आशंका जता रहे हैं। नाले की गंदगी के बीच फंसी इस बाइक का नंबर और स्थिति स्पष्ट नहीं हो पा रही है। नागरिकों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि बाइक को कब्जे में लेकर इसके वास्तविक मालिक

का पता लगाया जाए ताकि किसी संभावित अपराध या घटना का खुलासा हो सके।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना में 80 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में, बाराती बनकर पहुंचे विधायक और अधिकारी

मैहर। मैहर जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में गुरुवार को मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत आयोजित सामूहिक विवाह सम्मेलन में 80 जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ है मंत्रोच्चार और ढोल-धमाकों के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

उपहारों के साथ दी गई विदाई

विवाह के बाद शासन की ओर से निर्धारित प्रोत्साहन राशि और उपहार सामग्री भी नवविवाहित जोड़ों को प्रदान की गई। जनपद कार्यालय में सुबह 11 बजे से ही उत्सव जैसा माहौल था। पंडाल को फूलों और लाइटों से सजाया गया था और मेहमानों के लिए भोजन की विशेष व्यवस्था की गई थी।

प्रशासनिक अमला रहा मौजूद

सामूहिक विवाह को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए एसडीएम दिव्या पटेल और जनपद सीईओ अशोक तिवारी के नेतृत्व में पूरी टीम तैनात रही। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष आकांशा विनोद लोधी, जनपद उपाध्यक्ष विकास त्रिपाठी,सांसद प्रतिनिधि संतोष सोनी और जिला और जनपद पंचायत के सदस्य एवं गणमान्य नागरिक।प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बैंक से पैसे निकालकर खाद लेने रुका किसान,चोरों ने बाइक की डिक्की से उड़ाए 50 हजार और पासबुक

मैहर। मैहर जिले के रामनगर थाना क्षेत्र में चोरों के हौसले बुलंद हैं। बुधवार को एक किसान बैंक से पैसे निकालकर घर लौट रहा था,तभी अज्ञात चोरों ने उसकी बाइक की डिक्की का लॉक तोड़कर उसमें रखे 50 हजार रुपये और बैंक की पासबुक पार कर दी। घटना उस वक्त हुई जब पीड़ित दुकान पर सामान खरीदने के लिए रुका था। जानकारी के अनुसार,मनोज कुमार कुशवाहा निवासी देवरा मोलहाई 11 मार्च को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रामनगर शाखा पहुँचे थे। उन्होंने अपने खाते से 50 हजार रुपये निकाले और रुपयों को बैंक पासबुक के साथ अपनी बाइक MP19 MM 9967 की डिक्की में रख दिया। आशंका जताई जा रही है कि चोर बैंक के बाहर से ही किसान का पीछा कर रहे थे।

खाद खरीदने रुका और हो गई चोरी

बैंक से निकलने के बाद मनोज कुमार खाद खरीदने के लिए रामनगर में ही मनोज गुप्ता की दुकान के पास रुके। उन्होंने अपनी बाइक दुकान के बाहर खड़ी की और अंदर चले गए। महज कुछ ही देर बाद जब वे वापस लौटे,तो उनके होश उड़ गए। बाइक की डिक्की का लॉक खुला हुआ था। डिक्की के अंदर रखे 50 हजार रुपये नकद और बैंक पासबुक गायब थे।

पीड़ित ने दर्ज कराई शिकायत

पीड़ित ने तुरंत आसपास के लोगों से पूछताछ की और चोरों को तलाशने की कोशिश की, लेकिन शातिर चोर तब तक रफूचक्कर हो चुके थे। पीड़ित मनोज कुशवाहा रामनगर थाने पहुँचे और लिखित शिकायत दर्ज कराई।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

रामनगर थाना पुलिस ने पीड़ित के आवेदन पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस दुकान के आसपास और बैंक से लेकर घटना स्थल तक लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि संदिग्धों की पहचान की जा सके।

चोरी का फरार आरोपी गिरफ्तार चांदी के जेवरात बरामद

सतना।

शहर में चोरी की वारदातों पर अंकुश लगाने के अभियान के तहत कोतवाली पुलिस को एक बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने घर का ताला तोड़कर चोरी करने वाले एक शातिर फरार आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान रिषभ वंशकार 22 वर्ष,पिता सुंदरलाल वंशकार, निवासी बजरहा टोला के रूप में हुई है। पुलिस काफी समय से इसकी तलाश में जुटी थी। आरोपी के पास से पुलिस ने चोरी की गई चांदी की पायल और 'मनचली' (पारंपरिक आभूषण) बरामद की है,जिसकी कुल अनुमानित कीमत लगभग 70,000 रुपये बताई जा रही है। कोतवाली पुलिस के अनुसार, आरोपी ने सूने घर का फायदा उठाकर ताला तोड़ा था और कीमती सामान लेकर चंपत हो गया था। पुलिस अब आरोपी से सख्ती से पूछताछ कर रही है ताकि शहर में हुई अन्य छोटी-बड़ी चोरी की वारदातों का सुराग मिल सके। आरोपी को न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। पुलिस की इस मुस्तैदी से स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली है।

गुनौर में ठेकेदार की मनमानी-करोड़ों की नई सड़क पर फिर चली जेसीबी, प्रशासन और जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर उठे सवाल

गुनौर।

विकास के नाम पर सरकारी धन की बर्बादी और ठेकेदारों की मनमानी का एक ताजा मामला नगर परिषद गुनौर में सामने आया है। यहाँ अभी कुछ महीने पहले ही बनकर तैयार हुई गुनौर-डिघौरा सड़क को पाइपलाइन बिछाने के नाम पर बेरहमी से खोदा जा रहा है। आश्चर्य की बात यह है कि सड़क किनारे पर्याप्त खाली जगह होने के बावजूद ठेकेदार ने सड़क के साइड शोल्डर्स (पटरियों) को खोदना शुरू कर दिया है, जिससे न केवल सड़क की मजबूती पर खतरा मंडरा रहा है बल्कि यह सीधे तौर पर भ्रष्टाचार की ओर भी इशारा कर रहा है।

लापरवाही का आलम- मिट्टी डालकर झाड़ा पल्ला-

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पाइपलाइन डालने के बाद ठेकेदार द्वारा गड्ढों को केवल मिट्टी डालकर ऊपर से प्लेन कर दिया जा रहा है। विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का मानना है कि पहली बारिश या भारी वाहनों के दबाव से यह मिट्टी धंस जाएगी, जिससे सड़क पर बड़े गड्ढे हो जाएंगे और गंभीर दुर्घटनाएं हो सकती हैं। मानकों के अनुसार, खुदाई के बाद सड़क को कंक्रीट और उचित मिश्रण से पूर्व की स्थिति में लाना ठेकेदार की जिम्मेदारी होती है, जिसका यहाँ खुला उल्लंघन हो रहा है।

नगर के अंदर सीसी सड़कों की भी हालत जर्जर-

समस्या सिर्फ मुख्य मार्ग तक सीमित नहीं है। नगर के भीतर भी पाइपलाइन बिछाने के लिए सीसी (ब्मउमदज ब्वदबतमजम) सड़कों को तोड़ा गया था। आज महीनों बीत जाने के बाद भी इन सड़कों की मरम्मत नहीं की गई है। जगह-जगह बिखरे मलबे और ऊबड़-खाबड़ रास्तों के कारण राहगीरों, विशेषकर बुजुर्गों और बच्चों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

भ्रष्टाचार की बू और प्रशासनिक उदासीनता-

क्षेत्र के नागरिकों में इस बात को लेकर भारी रोष है कि जब सड़क के किनारे पाइपलाइन डालने के लिए पर्याप्त जगह मौजूद है, तो जानबूझकर नई सड़क के पटरियों को क्यों क्षतिग्रस्त किया जा रहा है? लोगों का कहना है कि यह ठेकेदार की मनमानी और प्रशासनिक अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की उदासीनता का परिणाम है। इस तरह के कार्यों से शासकीय राशि का दुरुपयोग साफ दिखाई दे रहा है।

जनता की मांग- तत्काल हो कार्यवाही-

नगरवासियों ने जिला प्रशासन और कलेक्टर पन्ना से मांग की है कि इस निर्माण कार्य का तत्काल भौतिक सत्यापन किया जाए और दोषी ठेकेदार पर कड़ी कार्यवाही की जाए। साथ ही, क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द से जल्द दुरुस्त कर राहगीरों को राहत प्रदान की जाए। यदि जल्द सुधार नहीं हुआ, तो नागरिक उग्र आंदोलन के लिए विवश होंगे।

खबर संक्षेप

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल समस्या निवारण एवं हैडपंप सुधार के लिए कंट्रोल रूम गठित

पन्ना। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग उपखंड कार्यालय पन्ना द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों से पेयजल संबंधी शिकायतें प्राप्त कर हैडपंप सुधार के लिए तत्काल प्रभाव से विशेष कंट्रोल रूम का गठन किया गया है। पन्ना, अजयगढ़ और गुनौर विकासखंड के लिए गठित कंट्रोल रूम में कर्मचारियों की ड्यूटी निर्धारित की गई है। अवकाश दिवस में सुबह 10 से शाम 6 बजे तक समयपाल शुभम द्विवेदी 9755610008 की ड्यूटी लगाई गई है, जबकि शेष दिवस में निर्धारित समय पर विकासखंड समन्वयक जीतेन्द्र बागरी 9399115885 तथा अनुरूद्ध कुमार चौरसिया 9340059260 की ड्यूटी तय की गई है। संबंधित कर्मचारियों को हैडपंप खराब होने की शिकायत प्राप्त होने पर पंजी में जानकारी अंकित कर हैडपंप मैकेनिक को तत्काल सूचित करने के लिए निर्देशित किया गया है। हैडपंप सुधार कार्य सूचना प्राप्ति के तीन दिवस के अंदर कराने के निर्देश दिए गए हैं।

कुर्सी-महंगवा रोड पर हादसारू अनियंत्रित बाइक पुलिया के नीचे गिरी, दो युवक बाइक में थे सवार

अमानगंज। कुर्सी-महंगवा रोड पर एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पुलिया के नीचे गिर गई, जिससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर डायल 112 की टीम पहुंची। डायल 112 स्टाफ आरक्षक गोलू एवं पायलट मनीष ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज पहुंचाया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। घायलों की पहचान देवराज चौधरी और रामकरण चौधरी (उम्र लगभग 30 वर्ष) निवासी श्री पाठा ग्राम के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि बाइक तेज रफ्तार में थी, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा और मोटरसाइकिल पुलिया के नीचे जा गिरी। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। घटना की जानकारी गुरुवार के शाम 7:00 बजे की बताई जा रही है।

केन-बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना अंतर्गत 92 करोड़ 98 लाख रूपए से अधिक की मुआवजा राशि की गई है स्वीकृत

पूरक अवार्ड में भी होगा 65 करोड़ से अधिक राशि का वितरण

पन्ना।

देश की पहली राष्ट्रव्यापी नदी जोड़ो परियोजना अंतर्गत केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना के भू-अर्जन प्रकरणों का तत्परतापूर्वक निराकरण किया जा रहा है। शासन के निर्देशानुसार एवं जिला प्रशासन के निर्देशन में पन्ना जिला अंतर्गत परियोजना के तहत 10 ग्रामों में सर्वे उपरांत नियमानुसार भू-अर्जन की कार्यवाही की गई है। विदित हो कि छतरपुर जिले की बिजावर तहसील के तहत केन नदी पर दौधन बांध तथा 218.60 किमी लम्बाई की केन-बेतवा लिंक नहर का निर्माण कार्य प्रस्तावित है। परियोजना के तहत पन्ना जिले के डूब से प्रभावित वन भूमि के बदले 10 ग्रामों में कुल शासकीय भूमि 915.685 हे. तथा 693.859 हे. निजी भूमि का अधिग्रहण कर वन विभाग को हस्तांतरित किया जा चुका है।

केन बेतवा परियोजना के लिए पन्ना जिला अंतर्गत आठ ग्रामों क्रमशः अमानगंज तहसील के मरहा, कूड़न एवं खमरी तथा पन्ना तहसील के गहदरा, कटहरी-बिलहटा, कोनी, मझौली एवं डोंडी के निजी एवं शासकीय भूमि का अर्जन किया गया है, जबकि अमानगंज तहसील के रजपुरा एवं उड़ला ग्राम की शासकीय भूमि अर्जित की गई। 644 पक्षकारों के निजी भूमि का अर्जन कर 92 करोड़ 98 लाख 55 हजार 687 रूपए मुआवजा राशि स्वीकृत की गई थी। ई-पेमेंट के माध्यम से 83 करोड़ 29 लाख 30 हजार 743 रूपए का भुगतान किया जा चुका है। 30 पक्षकारों के हक हिस्सा के संबंध में न्यायालयीन विवाद व खाता त्रुटि के कारण 9 करोड़ 69 लाख 24 हजार 944 रूपए का भुगतान शेष है, जिसका शीघ्र निराकरण कर भुगतान की कार्यवाही की जाएगी। इस क्रम में राष्ट्रीय परियोजना अंतर्गत 7 ग्रामों की छूटी हुई भूमि व मकानों के अर्जन के लिए विभाग के पूरक प्रस्ताव के आधार पर भी निजी भूमि व मकान का अर्जन कर 23.268 हे. एवं वनाधिकार पट्टों की भूमि व मकान रकवा 153.950 हे. भूमि का अर्जन किया गया। इसमें 1291 पक्षकारों को 65 करोड़ 5 लाख 65 हजार 45 रूपए स्वीकृत किए गए, जबकि 1121 हितग्राहियों को 53 करोड़ 72 लाख 14 हजार 799 रूपए का भुगतान किया जा चुका है। शेष 170 हितग्राहियों को 11 करोड़ 33 लाख 50 हजार 246 रूपए के भुगतान की कार्यवाही शेष है।

साढ़े 12 लाख का एकमुश्त पुनर्वास पैकेज-

केन बेतवा लिंक राष्ट्रीय परियोजना अंतर्गत बांध निर्माण के लिए भूमि अर्जन, पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन में उचित प्रतिकर और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 की धारा 11 के तहत प्रभावित परिवारों के प्रत्येक व्यक्ति को पुनर्वास पैकेज अनुसार साढे. 12 लाख रूपए की राशि सहमति अनुसार 7 ग्राम व उनके पूरक ग्रामों के 1231 परिवारों को एक अरब 53 करोड़ 87 लाख 50 हजार रूपए राशि स्वीकृत की गई। जिसके तहत 1229 परिवारों को एक अरब 53 करोड़ 62 लाख 50 हजार रूपए का भुगतान किया गया है, जबकि दो परिवारों को 25 लाख रूपए की राशि का भुगतान शेष है। 21 जनवरी 2022 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले प्रभावित परिवार के प्रत्येक व्यक्ति को इसका लाभ प्रदान किया गया है।

ई-दक्ष केन्द्र में अनुविभागीय जनगणना तथा चार्ज जनगणना अधिकारियों का हुआ द्वितीय प्रशिक्षण

पन्ना। कलेक्ट्रेट स्थित ई-दक्ष केन्द्र में गुरूवार को जनगणना 2027 के संबंध में समस्त अनुविभागीय जनगणना अधिकारी, तहसीलदार एवं चार्ज अधिकारी, मुख्य नगर पालिका अधिकारी एवं नगरीय चार्ज अधिकारियों सहित समस्त जनगणना लिपिक ग्रामीण एवं नगरीय चार्ज, सभी तकनीकी सहायक ग्रामीण एवं नगरीय चार्ज का द्वितीय प्रशिक्षण ई-दक्ष केन्द्र पन्ना में आयोजित किया गया। जनगणना निदेशालय भोपाल से नियुक्त ट्रेनर मिलन गुप्ता द्वारा पूर्व में गत 23 एवं 24 फरवरी को आयोजित प्रशिक्षण के बारे में पुनः सभी को प्रशिक्षित किया गया तथा प्रथम चरण से संबंधित समस्त पीपीटी का प्रदर्शन करते हुए दोबारा सभी को कार्य करने हेतु प्रशिक्षित करने के उपरांत उपस्थित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारी तथा तकनीकी सहायकों को सीएमएमएस पोर्टल की हैण्ड्सऑन ट्रेनिंग कराई गई। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जनगणना समिति की बैठक भी आज संपन्न हुई। अपर कलेक्टर एवं जिला जनगणना अधिकारी मधुवंतराव धुर्वे, जिला शिक्षा अधिकारी रविप्रकाश खरे, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी वैष्णवी शुक्ला, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण शशिकपूर गढ़पाले, सहायक सांख्यिकीय अधिकारी राजीव लोचन पटेल तथा जिला प्रभारी जनगणना निदेशालय पन्ना मिलन गुप्ता भी बैठक में उपस्थित रहे। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा अभी तक के कार्यों की समीक्षा की गई तथा जनगणना निदेशालय द्वारा निर्धारित समयावधि में मकान सूचीकरण ब्लाकों का निर्धारण करते हुए प्रगणक एवं पर्यवेक्षकों की नियुक्ति करने हेतु निर्देशित किया गया। बैठक में अवगत कराया गया कि जनगणना 2027 से संबंधित समस्त गतिविधियों का क्रियान्वयन समय सीमा में सुचारू रूप से संपादित किया जा रहा है। सहायक अधीक्षक जनगणना शाखा उमाशंकर दुबे द्वारा समिति को अवगत कराया गया कि जिला स्तर से जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर डॉ. बी.एन. जायसवाल को 16 मार्च से भोपाल में आयोजित हो रहे प्रशिक्षण के लिए मुक्त कर दिया गया है तथा जिला स्तर पर कुल 44 फील्ड ट्रेनर नियुक्त किए जाना थे, जिनकी नियुक्ति के आदेश जारी कर दिए गए हैं तथा फील्ड ट्रेनर का प्रशिक्षण एक अप्रैल से 3 अप्रैल 2026 तक डाईट पन्ना में आयोजित करने के आदेश जारी हो चुक हैं। कलेक्टर एवं प्रमुख जनगणना अधिकारी द्वारा आगामी समस्त कार्य समय सीमा में संपादित करने के लिए निर्देशित किया गया।

शिक्षकों को एक बार फिर अपनी परीक्षा देने के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय के बाद मध्यप्रदेश की विभागीय अधिकारियों ने जारी किये निर्देश

आखिर षिक्षकों की नियुक्ति जब की गई थी तब मापदण्ड व नियमों को लेकर जहां जनपद पंचायत सीईओ व जिला पंचायत सीईओ नियुक्ता अधिकारी के रूप में जाने गये षिक्षकों की नियुक्ति के बाद अब सेवा का दायित्व निभाते हुए एक बार फिर परीक्षा देना कहां तक लाजमी। वहीं सरकार के द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद जहां परीक्षा को लेकर तत्परता कई तरह के सवाल जनचर्चाओं के व्याप्त।

पन्ना। वर्तमान समय में षिक्षकों को लेकर जहां एक बार फिर अपनी सेवायें सतत बनाये रखने के लिए परीक्षा देने के लिए अनिवार्यता मानी जा रही है। कुछ समय पूर्व माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद जहां मध्यप्रदेष सरकार ने भी षिक्षकों को परीक्षा देने के लिए उचित माना है। तभी तो विभागीय अधिकारियों ने निर्देष भी जारी कर दिये। अब सवाल यह उठता है कि आखिरकार निज षिक्षकों ने आधी उम्र की सेवायें पूर्ण कर ली अगर परीक्षा में पास नहीं होते तो अधर में ही सेवा समाप्ति को लेकर अटकलों का दौर चर्चाओं में व्याप्त। वहीं सबसे बड़ा सवाल तो यह है कि उस समय जब षिक्षकों की नियुक्तियां की गई तब नियमों के मापदण्डों को लेकर सरकार ने क्या उचित माना था। वहीं सरकार के जिम्मेदार अधिकारी जैसे जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी व जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को प्राथमिक व माध्यमिक षिक्षकों के नियुक्ति के आदेष जारी किये जाने को लेकर बताया जा रहा है। अंततः बीसों वर्ष सेवाओं के बाद अब अचानक एक बार फिर परीक्षा के दौर से गुजरने को लेकर षिक्षकों में निष्चितौर पर कहीं न कहीं परीक्षा पास करने को लेकर अब जो हालात बन चुके है। उसमें किस तरह से परीक्षा होगी कौन सी प्रणाली अपनाई जायेगी। वहीं उस समय का परीक्षा का स्तर अब परीक्षा में किस हालात से षिक्षक सफल होगें यहां कई तरह की अटकलों का दौर जारी है। इतना ही नहीं एक समय पर षिक्षकों का वर्ग जो अपनी पेंषन की लड़ाई लड़ रहे थे अब टेंषन परीक्षा की यानि यह साफतौर पर सामने अब सेवा बचाने के लिए अपनी पात्रता परीक्षा पास करने के लिए सरकार ने जो आदेष जारी किये है इससे षिक्षकों में पेंषन नहीं बल्कि टेंषन के हालात पैदा हो गये है। वहीं षिक्षकों के परिवारों का गुजारा भी संकट के दौर को लेकर माना जा रहा है। निष्चित ही जहां एक समय पर गुरूजी लोगों को शासकीय सेवा में सरकार ने ही दायित्व निभाने के लिए उचित माना अब परीक्षा देने के लिए भी सरकार उचित मान रही है वहीं माननीय सर्वोच्च न्यायाल के कई निर्णय जैसे मुफ्त में राषन प्रदान करना उस पर भी सरकार के लिए उचित नहीं ठहराया गया पर सरकार राषन प्रदान करना मुफ्त में उचित मानती है। वहीं पेंषन को लेकर भी जहां कई बार संघर्ष जिला से लेकर राज्य व केन्द्र सरकार तक अपनी मांग जो षिक्षकों ने व अन्य कर्मचारी अधिकारियों ने मांग की थी कहीं उसका परिणाम तो नहीं। आज जो हालात षिक्षकों के सामने पात्रता परीक्षा पास करने के लिए उचित माना जा रहा है। वैसे तो माननीय सर्वोच्च न्यायालय के कई अहम फैसले जिनको सरकार लागू करने के लिए कब-कब पालन करने को लेकर तत्परता सामने आई पर यहां षिक्षकों की परीक्षा कराये जाने को लेकर जरूर तत्परता नजर आ रही है। देखना यह है कि अब षिक्षकों के हालात परीक्षा पास या फेल कैसे शासकीय सेवा का शेष कार्यकाल जो बचा हुआ है वह तय होता है कि नहीं। षिक्षको को अब पेंषन की जगह टेंषन जरूर मिली।

विद्यालय के पास संचालित शराब दुकान हटाने की मांग, भगवती मानव कल्याण संगठन ने तहसीलदार को सौंपा

अमानगंज। थाना अमानगंज क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सुनवानी कला में संचालित शासकीय शराब दुकान को हटाने की मांग को लेकर गुरुवार को दोपहर 2 बजे भगवती मानव कल्याण संगठन के बैनर तले कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों ने विरोध दर्ज कराया। इस दौरान ग्रामीणों ने अमानगंज तहसीलदार को कलेक्टर के नाम ज्ञापन सौंपकर शराब दुकान का स्थान परिवर्तन करने की मांग उठाई। ज्ञापन में बताया गया कि गांव में संचालित शराब दुकान विद्यालय के समीप स्थित है, जिससे विद्यार्थियों तथा ग्रामीणों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि दुकान के आसपास रोजाना शराबियों की भीड़ लगी रहती है और आए दिन शराबखोरी के कारण विवाद की स्थिति बनती रहती है। ग्रामीण महिलाओं ने नाराजगी जताते हुए कहा कि विद्यालय के बगल में संचालित शराब दुकान के कारण बच्चों और महिलाओं का निकलना मुश्किल हो गया है। दुकान के आसपास रोज शराबखोरी होने से गांव का माहौल खराब हो रहा है और यह सामाजिक वातावरण के लिए भी गंभीर चिंता का विषय बन गया है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए शराब दुकान को गांव से दूर किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए, ताकि गांव में शांति और सुरक्षित वातावरण बना रह सके। इस दौरान भगवती मानव कल्याण संगठन के कार्यकर्ता व बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे। ज्ञापन में कई ग्रामीणों के हस्ताक्षर भी शामिल रहे।

श्रीमद्भागवत कथा में छठवें दिन हुआ कृष्ण और रुक्मणी विवाह प्रसंग, भाव-विभोर हुए श्रद्धालु

पन्ना। देवेंद्रनगर बस्ती में पिछले 6 दिनों से चल रही संतोष तिवारी जी के यहां श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिन श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह कंश वध की कथा सुनाई गयी।भागवत कथा के व्यास पीठ पर कथावाचक आचार्य मनीष पांडेय जी महाराज श्री धाम वृन्दावन से पधारे महाराज जी ने कथा में कंस वध महर्षि संदीपनी के आश्रम में विद्या ग्रहण करना, उद्धव-गोपी संवाद, द्वारका की स्थापना, रुक्मणी विवाह के प्रसंग का संगीतमय भावपूर्ण पाठ किया। आस्था और विश्वास के साथ भगवत प्राप्ति आवश्यक हैं। भगवत प्राप्ति के लिए निश्चय और परिश्रम भी जरूरी हैं। भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी के विवाह की झांकी ने सभी को खूब आनंदित किया। कथा के दौरान भक्तिमय संगीत ने श्रोताओं को आनंद से परिपूर्ण किया। उन्होंने कहा कि जो भक्त प्रेमी कृष्ण रुक्मणी के विवाह उत्सव में शामिल होते हैं उनकी वैवाहिक समस्या हमेशा के लिए समाप्त हो जाती है। आचार्य जी ने भगवान श्रीकृष्ण के विवाह प्रसंग को सुनाते हुए बताया कि भगवान का प्रथम विवाह विदर्भ की राजकुमारी रुक्मणि के साथ संपन्न हुआ। इस कथा के माध्यम से उन्होंने बताया कि रुक्मणि स्वयं साक्षात लक्ष्मी हैं और वह नारायण से दूर रह ही नही सकती, यदि जीव अपने धन अर्थात लक्ष्मी को भगवान के काम में लगाए तो ठीक, नहीं तो फिर वह धन चोरी द्वारा, बीमारी द्वारा या अन्य मार्ग से हरण हो ही जाता है। धन को सदैव परमार्थ में लगाना चाहिए। कथा के दौरान भक्तिमय संगीत ने श्रोताओं को आनंद से परिपूर्ण किया भागवत कथा के छठे दिन कथा स्थल पर रूक्मणी विवाह के आयोजन ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल भैया 20 मार्च को पन्ना जिले के भ्रमण पर, तैयारी को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी की बैठक संपन्न

पन्ना। पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह (राहुल भैया) विधायक (चुरहट) के द्वारा बुंदेलखंड यात्रा निकाली जा रही है जो 20 मार्च 2026 को पन्ना से गुजरेगी,जिसकी तैयारी हेतु, जिला कांग्रेस कार्यालय पन्ना में महत्वपूर्ण बैठक रखी गई है, सर्वप्रथम महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया गया उसके पश्चात उपस्थित जनों ने कार्यक्रम के संबंध में अपने सुझाव एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित जनों में अध्यक्ष अनीश खान, पूर्व प्रत्याशी भरत मिलन पांडे, पूर्व प्रत्याशी शिवजीत सिंह (भैया राजा), पूर्व प्रत्याशी जीवानलाल सिद्धार्थ, राजेश तिवारी, मुरारी लाल थापक,राजबहादुर पटेल, रेहान मोहम्मद, वैभव थापक, डॉ कदीर खान, सुरेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह, दीपक तिवारी आस्था तिवारी, वेदांत मिश्रा, बृजेन्द्र दुबे, नृपेंद सिंह, सुरेन्द्र सिंह, अभिषेक चौरसिया, इरफान खान, रियासत खान, सुमंत पांडे, अवधेश प्रताप सिंह, यूनिश खान, मशूद अहमद, रशद खान, वी एन जोशी, अक्षय तिवारी, राकेश शर्मा, मुन्नी लाल वंशकार, अंकित रिछारिया, विमला सिंगरौल, हिमांशु ठाकुर, प्रकाश साहू, अमित रैकवार, शिव प्रताप सिंह, मोहम्मद निशार शेख, नरेंद्र कुमार, फैज मोहम्मद, फैयाज मोहम्मद। बड़े राजा हिमांशु नरेंद्र वंशकार फैज मोहम्मद फैयाज मोहम्मद सहित अनेक लोग उपस्थित रहे।

स्टेट बैंक सलेहा का लचर रवैया, जनता कर रही परेशानियों का सामना

स्टाफ की कमी से जूझ रहा भारतीय स्टेट बैंक सलेहा

पन्ना। इन दिनों भारतीय स्टेट बैंक सलेहा में क्राउड का माहौल बना हुआ है पहले तो नगद कैश की तंगी भी सुनने में आई थी परंतु इन दिनो उमड़ती भीड़ ने सोचने पर विवश कर दिया है लगभग 100 गांवों के बीच केवल एक ही शाखा होने के कारण भी भीड़ का होना लाजमी है शाखा प्रबंधक से मौखिक बात करने पर पता चला कि स्टाफ की कमी होने के कारण कई कार्य पेंडिग हो जा रहे है जबकि हम रात को आठ आठ बजे तक भी काम कर रहे हैं विषय विचारणीय यह है कि स्टाफ की कमी के कारण जनता के काम रुक रहे हैं अतिथियों पत्रकारों एवं समाजसेवी नागरिकों जो जनता के कार्यों से संबंधित चर्चाएं बैंक प्रबंधन से कर सकें और समस्याओं को सुलझाने में बैंक प्रबंधन की मदद कर सके तो न उनके लिए बैठ कर बाते कर पाने की सुविधा मिल पा रही है और न पानी की वहीं शाखा प्रबंधक का रवैया भी रूढ़ता की ओर इशारे कर रहा है इस बारे में जब शाखा प्रबंधक से बात की गई तो उनके द्वारा वही स्टाफ की कमी का हवाला दिया गया इससे तो यह सिद्ध होता है कि बैंक में चपरासी भी अब बैंकिंग संबंधी कार्य कर रहे हैं जबकि बैंक जैसे संस्थान में अधिकारियों एवं कर्मचारियों के अलावा किसी भी व्यक्ति से बैंकिंग संबंधी कार्य कराना जोखिम भरा हो सकता है और स्टाफ की कमी से क्षेत्र की गति में भी व्यवधान पैदा हो रहा है स्टेट बैंक की उच्चस्तरीय प्रबंधन को चाहिए कि बैंक में स्टाफ की कमी को पूर्ण कराया जाय

आउट सोर्स कर्मियों का होना चाहिए पुलिस वेरिफिकेशन-

चूंकि बैंक एक अति संवेदनशील संस्था है जिसका संबंध सीधे तौर पर सरकारी सुविधाओं को धरातल पर जन हितार्थ पहुंचाने का सीधा माध्यम भी है इसलिए बैंक जैसी जगह पर कार्यरत आउट सोर्स कर्मियों एवं कियोस्क संचालकों का पुलिस वेरिफिकेशन भी समय समय पर किया जाना चाहिए ताकि जनता के बीच बैंक ओर सरकार के प्रति पारदर्शिता बनी रहे ओर धोखाधड़ी जैसे मामले जो आजकल हो रहे हैं कहीं न कहीं उनको बहुत हद तक रोकने में मदद मिल सकती है।

खबर संक्षेप

ट्रांसफार्मर फैक्ट्री में लगी भीषण आग

छतरपुर। जिले के ग्राम पड़रिया में बुधवार देर शाम ट्रांसफार्मर फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते इतना विकराल रूप धारण कर लिया कि फैक्ट्री का एक बड़ा हिस्सा आग की ऊंची लपटों और काले धुएं के गुबार से घिर गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, फैक्ट्री के भीतर से अचानक आग की लपटें उठनी शुरू हुईं। चूंकि ट्रांसफार्मर फैक्ट्री में भारी मात्रा में ऑयल और अन्य ज्वलनशील पदार्थ मौजूद रहते हैं, इसलिए आग तेजी से फैलती गई। लपटें इतनी ऊंची थीं कि कई किलोमीटर दूर से देखी जा सकती थीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और प्रशासन को इसकी सूचना दी। घटना की गंभीरता को देखते हुए प्रशासन और फायर ब्रिगेड की कई गाडियां मौके पर पहुंची और आग को बुझाया।

प्रभारी कलेक्टर ने बड़ामलहरा के पीरा में मौके पर फसल के पंजीयन का सत्यापन किया

छतरपुर। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया ने बड़ामलहरा क्षेत्र के ग्राम पीरा में उपार्जन पंजीयन का मौके पर फसल का अवलोकन करते हुए सत्यापन किया। मौके पर किसान का पंजीयन बड़ामहलरा की बजाय गौरिहार अंतर्गत पाया गया और मसूर की जगह गेंहू की फसल पाई गई। प्रभारी कलेक्टर श्री अरजरिया ने बोई गई फसल का मौके पर परीक्षण कर पाया कि किसान जीतेन्द्र सिंह ने रकबे 33, 30, 29, 40 एवं 77 पर लगभग 9 हेक्टेयर भूमि पर मसूर का पंजीयन गौरिहार की सेवा सहकारी समिति पचवरा में कराया गया है। प्रथम दृष्ट्या पाया गया कि पीरा बड़ामलहरा का व्यक्ति गौरिहार में फसल बेंचने का पंजीयन क्यों कराएगा। लापरवाही पाए जाने पर प्रभारी कलेक्टर ने एसडीएम बड़ामलहरा को पटवारी हल्का पीरा गजेन्द्र सिंह गौड़, सर्वेयर, कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

जंगल में चल रही जेसीबी रेंजर ने पकड़ी

बकस्वाहा। वन परिक्षेत्र बकस्वाहा के अंतर्गत चाचाई सेमरा के जंगल कक्ष क्रमांक 257 बीट सुम्मेरपुरा में बीती रात एक जेसीबी चल रही थी। मुखबिर से प्राप्त सूचना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में बकस्वाहा रेंजर लवप्रताप सिंह ने मौके पर पहुंचकर जेसीबी को जप्त किया और धारा 331 के तहत पंजीबद्ध किया है। चूंकि जेसीबी अभी नई है और उसमें नम्बर नहीं डला है इस कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है लेकिन सूत्रों का कहना है कि जो जेसीबी जप्त की है वह एक भाजपा नेता और नगर पंचायत अध्यक्ष के रिश्तेदार की है।

सिलेण्डर की किल्लत और महंगाई से रसोई का बजट बिगड़ा

एलपीजी नियमों में सख्ती, अब 25 दिन बाद ही मिलेगी दूसरी रिफिल

छतरपुर

जिले में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग को लेकर नियम और सख्त कर दिए गए हैं। अब उपभोक्ताओं को एक सिलेंडर लेने के बाद दूसरी बुकिंग के लिए 25 दिन का इंतजार करना होगा, जो पहले 21 दिन था। शासन के इस फैसले और बढ़ती कीमतों के बीच आम जनता और होटल संचालकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं।

दरअसल छतरपुर कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने गैस एजेंसी संचालकों की बैठक लेकर दो टूक कहा है कि यदि डिलीवरी ऑथेंटिकेशन कोड बुक नहीं है, तो सिलेंडर का वितरण न किया जाए। साथ ही नियमों के उल्लंघन पर दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। उन्होंने बुकिंग सिस्टम और कस्टमर केयर नंबरों में आ रही तकनीकी खराबी को भी तत्काल दुरुस्त करने के निर्देश दिए हैं।

वहीं दूसरी ओर गैस एजेंसियों पर पहुंचे उपभोक्ताओं का कहना है कि 25 दिन की बाध्यता और ओटीपी न आने के कारण घर का चूल्हा जलना मुश्किल हो गया है। कस्टमर केयर पर कॉल नहीं लग रहे हैं और सिस्टम धीमा होने से घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इसके अलावा मार्च 2026 में घरेलू सिलेंडर की कीमत 937 रुपये तक पहुंच गई है, जो पिछले महीने से 60 रुपये अधिक है। व्यावसायिक सिलेंडरों के दाम बढने से रेस्टोरेंट और होटलों में भी सन्नाटा है। कई होटल संचालक मजबूरी में कोयले की भट्टी का सहारा ले रहे हैं।

छतरपुर की स्वरूप गैस एजेंसी के संचालक मनोज जैन ने बताया कि जिले में गैस की कोई कमी नहीं है और पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। उन्होंने स्पष्ट किया कि बुकिंग नंबर नहीं बदले गए हैं, केवल सिस्टम धीमा होने से कुछ देरी हो रही है। जिन उपभोक्ताओं को ओटीपी प्राप्त हो रहा है, उन्हें प्राथमिकता के आधार पर सिलेंडर दिए जा रहे हैं।

कुशवाहा समाज ने उठाई दो मामलों में निष्पक्ष जांच और गिरफ्तारी की मांग

कलेक्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में किया प्रदर्शन

छतरपुर। गुरुवार दोपहर करीब डेढ़ बजे जिला कुशवाहा समाज के सैकड़ों प्रतिनिधियों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर सीएसपी को एक ज्ञापन सौंपा। समाज के जिलाध्यक्ष एडवोकेट मनोज कुशवाहा के नेतृत्व में सौंपे गए इस ज्ञापन में बड़ामलहरा और गढ़ीमलहरा क्षेत्र की दो गंभीर घटनाओं को लेकर पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए गए और आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की गई।

ज्ञापन के माध्यम से समाज ने बताया कि बड़ामलहरा निवासी रमेश उर्फ पप्पू कुशवाहा 27 जनवरी 2026 को घर से लापता हुए थे और 29 जनवरी को मंडी परिसर के अंदर उनका शव संदिग्ध हालत में मिला था। परिजनों को आशंका है कि रमेश की हत्या की गई है। समाज का आरोप है कि घटना के डेढ़ महीने बाद भी पुलिस मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं कर पाई है। उन्होंने मांग की है कि घटना स्थल के सीसीटीवी फुटेज और मोबाइल लोकेशन की सूक्ष्मता से जांच कर सच्चाई सामने लाई जाए।

दूसरा मामला गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र के ग्राम गर्रापुरवा का है, जहां 4 मार्च को हरचरन कुशवाहा पर कुल्हाड़ी और लाठियों से जानलेवा हमला किया गया था। जिलाध्यक्ष मनोज कुशवाहा ने आरोप लगाया कि इस हमले में शामिल दो मुख्य आरोपियों पर पुलिस ने अब तक मामला दर्ज नहीं किया है और न ही उनकी गिरफ्तारी हुई है, जिससे पीड़ित परिवार डरा हुआ है।

कुशवाहा समाज ने प्रशासन को अल्टीमेटम देते हुए कहा है कि यदि जल्द ही इन दोनों मामलों में निष्पक्ष जांच कर आरोपियों को जेल नहीं भेजा गया, तो समाज उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा। इस दौरान समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने पीड़ित परिवारों को सुरक्षा देने की भी पुरजोर मांग की।

किसान सम्मेलन में शामिल हुए प्रदेश मंत्री बॉबी राजा

छतरपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के नवनियुक्त प्रदेश मंत्री बॉबी राजा गठेवरा नवीन दायित्व मिलने के पश्चात पहली बार शहडोल संभाग के उमरिया जिले पहुँचे। यहाँ आयोजित भव्य किसान सम्मेलन में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और किसान भाइयों से भेंट कर उनका उत्साहवर्धन किया।

सम्मेलन में कृषि विभाग के अधिकारियों और बड़ी संख्या में किसान भाइयों की मौजूदगी में प्रदेश मंत्री बॉबी राजा गठेवरा ने जैविक खेती करने वाले प्रगतिशील किसानों की सराहना की। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार और संगठन का लक्ष्य प्रत्येक किसान को सशक्त बनाना है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि किसान मोर्चा का प्रत्येक कार्यकर्ता अन्नदाताओं की समस्याओं के निराकरण के लिए सदैव तत्पर रहेगा। कार्यक्रम के दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष आशुतोष अग्रवाल, पूर्व जिला अध्यक्ष मिथिलेश प्यासी, किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष कमलेश गुप्ता और युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष अमित सिंह सहित जिला महामंत्री, जिला मंत्री और मंडल अध्यक्षों ने बॉबी राजा गठेवरा का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के समस्त वरिष्ठ कार्यकर्ता, पदाधिकारी और कृषि विभाग का अमला मौजूद रहा। जय जवान-जय किसान के उद्घोष के साथ संपन्न हुए इस कार्यक्रम ने जिले के किसानों में नई ऊर्जा का संचार किया।

महिला ने दबंगों पर लगाया कट्टा दिखाकर धमकाने का आरोप

दूसरे पक्ष ने पेश किया कोर्ट का आदेश

छतरपुर। शहर की छत्रसाल कॉलोनी में एक जमीन के टुकड़े को लेकर उपजा विवाद गुरुवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय तक पहुँच गया। पन्ना रोड निवासी मिलन मिश्रा ने दबंगों पर घर की दीवार तोडऩे और बच्चों को डराने-धमकाने के गंभीर आरोप लगाए हैं, वहीं दूसरे पक्ष ने इन सभी दावों को सिरे से खारिज करते हुए मामले को न्यायालय के आदेश से जुड़ा बताया है। दोनों पक्षों ने एसपी ऑफिस में अपनी-अपनी शिकायत दर्ज कराई है, जिससे मामला अब पुलिस जांच के घेरे में है।

पीड़ित महिला मिलन मिश्रा ने आवेदन में बताया कि उन्होंने वर्ष 2013 में छत्रसाल कॉलोनी क्षेत्र में करीब 2400 वर्गफीट जमीन खरीदी थी, जिसके एक हिस्से पर उनका मकान बना हुआ है। महिला का आरोप है कि 11 मार्च को जब वह घर पर नहीं थी, तब धर्मेंद्र सिंह, के.पी. सिंह और उनके साथ आए करीब 8 लोगों ने कुल्हाड़ी, फरसा और डंडों के साथ घर पर धावा बोल दिया। महिला ने सनसनीखेज आरोप लगाया है कि आरोपियों ने घर में मौजूद नाबालिग बच्चों को कट्टा दिखाकर धमकाया और घर की दीवार तोड़ दी। साथ ही, रात के अंधेरे में जेसीबी मशीन लाकर जमीन पर अवैध निर्माण की कोशिश भी की गई। विवाद के दौरान सिविल लाइन पुलिस की कार्यप्रणाली पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें पुलिस महिला और उसकी नाबालिग बच्चियों को थाने ले जाती दिख रही है। इस पर दूसरे पक्ष का कहना है कि महिला विवाद कर रही थी, इसलिए पुलिस केवल समझाइश देने के उद्देश्य से उन्हें थाने लेकर गई थी।

दूसरी ओर, आरोपी पक्ष के धर्मेंद्र सिंह ने एसपी को कोर्ट के आदेश की प्रति सौंपते हुए अपना पक्ष रखा। उनका कहना है कि इस प्लॉट का मामला लंबे समय से न्यायालय में विचाराधीन था और फैसला उनके पक्ष में आया है। उन्होंने महिला द्वारा लगाए गए मारपीट और कट्टा दिखाने के आरोपों को पूरी तरह निराधार और झूठा बताया है। फिलहाल, पुलिस अधीक्षक कार्यालय ने दोनों पक्षों की बात सुनी है और मामले की निष्पक्ष जांच के निर्देश दिए हैं।

नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म के मामले में एसपी के पास पहुंचा परिवार

छतरपुर। जिले के गढ़ीमलहरा थाना क्षेत्र से बीते रोज मानवता को शर्मसार करने वाली एक घटना सामने आई थी। यहां एक नाबालिग बच्ची के साथ सामूहिक दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया, जिसके बाद से पीड़िता की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। गुरुवार को न्याय की उम्मीद में पीड़ित परिजन पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुँचे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए आवेदन सौंपा। परिजनों ने स्थानीय पुलिस पर सुनवाई न करने और मामले को गंभीरता से न लेने के भी गंभीर आरोप लगाए हैं।

परिजनों द्वारा दी गई शिकायत के अनुसार, यह पूरी घटना 10 मार्च की शाम करीब 6 बजे की है, जब मासूम बच्ची शौच के लिए घर से बाहर गई थी। आरोप है कि उसी दौरान गांव के ही आरोपी टिंकू ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर बच्ची को घेर लिया और उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म की घिनौनी वारदात को अंजाम दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए, जबकि बच्ची लहूलुहान और अचेत अवस्था में मिली। आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल भर्ती कराया गया, जहाँ उसकी स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। पीड़ित पक्ष का कहना है कि उन्होंने घटना की सूचना पुलिस को दी थी, लेकिन उन्हें उचित सहयोग नहीं मिल रहा है। गुरुवार को एसपी कार्यालय पहुँचे परिजनों ने मांग की है कि मुख्य आरोपी टिंकू के साथ शामिल अन्य सभी आरोपियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए और मामले की निष्पक्ष जांच कर उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाए।

छतरपुर के छात्रों के लिए आईटी क्षेत्र में करियर का सुनहरा अवसर

पढ़ाई के साथ सालाना 2.5 लाख का पैकेज और प्रतिष्ठित संस्थानों में डिग्री की राह खुली

छतरपुर। जिला प्रशासन के विशेष प्रयासों से छतरपुर के युवाओं के लिए आईटी क्षेत्र में करियर बनाने का एक क्रांतिकारी द्वार खुला है। कलेक्टर पार्थ जायसवाल के निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया के नेतृत्व में गुरुवार को शहर के ऑडिटोरियम में '।।ष्टरु टेक बीईई' कार्यक्रम के तहत एक भव्य सेमिनार आयोजित किया गया। इस विशेष पहल के माध्यम से जिले के 12वीं पास मेधावी छात्रों को देश की तीसरी सबसे बड़ी आईटी कंपनी एचसीएल के साथ सीधे जुडने का मौका मिल रहा है, जहां वे उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ कमाई भी कर सकेंगे। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ नमः शिवाय अरजरिया की उपस्थिति में शुरू हुए इस सेमिनार में जिले के 500 से अधिक छात्र-छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया और पंजीयन से लेकर चयन प्रक्रिया तक की विस्तृत जानकारी हासिल की।

इस कार्यक्रम की सबसे बड़ी खासियत यह है कि चयनित छात्रों को पढ़ाई के साथ-साथ शुरुआती दौर से ही 2 से 2.5 लाख रुपये प्रति वर्ष का सैलरी पैकेज दिया जाएगा। इतना ही नहीं, जो छात्र आर्थिक तंगी के कारण बड़े संस्थानों में नहीं जा पाते, उन्हें इस परीक्षा के माध्यम से आईआईटी गुवाहाटी, बिट्स पिलानी, आईआईआईटी कोट्टायम और आईआईएम सिरमौर जैसे देश के दिग्गज संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का निःशुल्क अवसर और स्कॉलरशिप मिलेगी। पात्रता के लिए एमपी बोर्ड के छात्रों को न्यूनतम 65 प्रतिशत और सीबीएसई के छात्रों को 70 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा। यह अवसर उन छात्रों के लिए है जो इस वर्ष 12वीं की परीक्षा दे रहे हैं या हाल ही में उत्तीर्ण कर चुके हैं। प्रभारी कलेक्टर ने जानकारी दी कि छात्रों के चयन के लिए टेक बीईई परीक्षा का आयोजन आगामी एक हफ्ते के भीतर किया जाएगा। एचसीएल जैसी वैश्विक कंपनी, जो 50 से अधिक देशों में काम कर रही है, उसके साथ जुडना जिले के युवाओं के लिए एक बड़ा मील का पत्थर साबित होगा। इस योजना के तहत छात्र अध्ययन के साथ-साथ अपनी डिग्री और नौकरी एक साथ सुनिश्चित कर सकेंगे। जिला प्रशासन की इस सराहनीय पहल से अब छतरपुर की प्रतिभाओं को अपनी आर्थिक स्थिति की चिंता किए बिना वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाने का सीधा मौका मिलेगा।

किसान ने खेत में लगाए करीब 500 हरे गांजे के पौधे, पुलिस ने किया गिरफ्तार

बमीठा। पुलिस ने अवैध गांजा खेती के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए एक 75 वर्षीय किसान को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बेटू कुशवाहा पुत्र परमा कुशवाहा, निवासी पहरा, ने अपनी एक बीघा कृषि भूमि में गेहूं की फसल के बीच करीब 500 हरे गांजे के पौधे उगा रखे थे। इन पौधों का वजन 71 किलोग्राम के आसपास पाया गया, जिसकी अनुमानित बाजार कीमत लगभग 1 लाख 60 हजार रुपये बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, बेटू कुशवाहा तंत्र-मंत्र की विद्या में पारंगत होने का दावा करता था। इसी कारण गांव के लोग उससे नफरत करते थे और डर के मारे उससे दूरी बनाकर रखते थे। तंत्र-मंत्र और गुणाई के भय से ग्रामीण उससे दूर रहते थे। आरोपी इसी डर का फायदा उठाकर खेत में गांजे की अवैध खेती कर अधिक मुनाफा कमाने के धंधे में लगा हुआ था।

थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रीय को मुखबिर से सूचना मिली कि आरोपी के खेत में अवैध गांजा उगाया गया है। सूचना पर टीआई आशुतोष श्रोत्रीय ने सादे कपड़ों में पुलिस टीम भेजकर खेत की वीडियोग्राफी कराई और हकीकत की पुष्टि की। इसके बाद वे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। टीम ने खेत से हरे गांजे के पौधों को उखाड़कर जब्त कर लिया। पौधों की संख्या करीब 500 के आसपास थी।

पुलिस ने आरोपी बेटू कुशवाहा को मौके से गिरफ्तार कर लिया और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया। आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस इस मामले में आगे की जांच कर रही है कि क्या आरोपी का कोई नेटवर्क इससे जुड़ा है या नहीं।

हर कन्या विवाह महोत्सव में बनें बेटियों का सहारा: पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री

बागेश्वर महाराज ने किया धर्मज माता-पिता का साधुवाद

छतरपुर। सिद्ध पीठ बागेश्वर धाम में हर वर्ष शिवरात्रि महापर्व के अवसर पर सामूहिक कन्या विवाह महोत्सव आयोजित होता है। पिछले 7 वर्षों से यह अनुष्ठान अनवरत चल रहा है। इस वर्ष इस अनुष्ठान में बेटियों के धर्मज माता-पिता बने लोगों को बागेश्वर धाम पीठाधीश पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने सम्मानित करते हुए उनका साधुवाद किया। बागेश्वर महाराज ने आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से हृदय से आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जिन लोगों ने इस सेवा कार्य में भाग लिया है उन्हें स्वयं बालाजी ने इस पुण्य कार्य के लिए चुना है।

गुरुवार को बागेश्वर धाम में आयोजित धर्मज माता-पिता मिलन समारोह के अवसर पर बागेश्वर महाराज ने कहा कि हर वर्ष कन्या विवाह में किसी न किसी गरीब, अनाथ, अति निर्धन, दिव्यांग बेटियों का सहारा बनकर उनके वैवाहिक जीवन में खुशियां बिखेरें । समाज में ऐसे सेवा कार्य ही सनातन परंपरा की असली पहचान हैं। कन्या विवाह जैसे पवित्र आयोजन में सहयोग करना केवल सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं बल्कि ईश्वर की विशेष कृपा भी है। उन्होंने सभी धर्मज माता-पिता और सहयोग करने वाले भक्तों को साधुवाद देते हुए कहा कि यह सेवा भाव ही समाज को मजबूत बनाता है। महाराज श्री ने कहा कि दान बताने के लिए नहीं, बल्कि देने के लिए होता है। सच्चा दान वही है जो बिना दिखावे और बिना किसी अपेक्षा के किया जाए।कार्यक्रम के अंत में बागेश्वर महाराज ने सभी श्रद्धालुओं को अगले वर्ष महाशिवरात्रि पर आयोजित होने वाले कन्या विवाह महोत्सव में पुनः आने का न्योता भी दिया। उन्होंने कहा कि इस सेवा अभियान को आगे भी इसी तरह मिलकर आगे बढ़ाया जाएगा ताकि जरूरतमंद कन्याओं का विवाह सम्मानपूर्वक संपन्न कराया जा सके।

छतरपुर जिले के 3100 शिक्षकों को देनी होगी पात्रता परीक्षा

छतरपुर। **शिक्षा विभाग में एक नए आदेश ने जिले के हजारों शिक्षकों की रातों की नींद उड़ा दी है। लोक शिक्षण संचालनालय के निर्देशानुसार, जिले के 3100 प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षकों को अपनी नौकरी बचाने के लिए आगामी दो साल के भीतर शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यह आदेश विशेष रूप से उन शिक्षकों पर लागू हो रहा है, जिन्होंने शिक्षा का अधिकार कानून के तहत अनिवार्य टीईटी परीक्षा पास नहीं की है।**

सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने बढ़ाई मुश्किलें

इस पूरे विवाद की जड़ 2017 में सुप्रीम कोर्ट में दायर एक याचिका है। कोर्ट ने सितंबर 2025 में फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया कि आरटीई एक्ट लागू होने से पहले नियुक्त जिन शिक्षकों ने अब तक पात्रता परीक्षा पास नहीं की है, उन्हें सेवा में बने रहने के लिए दो साल का समय दिया जाए। यदि वे जुलाई-अगस्त 2026 में प्रस्तावित इस परीक्षा को पास नहीं कर पाते, तो उन्हें नौकरी छोडऩी पड़ सकती है या अनिवार्य सेवानिवृत्ति दी जा सकती है। हालांकि, जिन शिक्षकों की सेवानिवृत्ति में 5 वर्ष से कम समय बचा है, उन्हें इस परीक्षा से छूट दी गई है।

2005 की नियुक्तियों पर संशय बरकरार

शिक्षकों के बीच सबसे बड़ा संशय 2005 की नियुक्तियों को लेकर है। 2005 में पहली बार व्यापमं ने संविदा शिक्षकों की भर्ती के लिए परीक्षा ली थी। शिक्षक संगठनों का तर्क है कि 2005 के बाद नियुक्त सभी शिक्षक पहले ही व्यापमं की कठिन प्रक्रिया से गुजर कर आए हैं, फिर उन्हें दोबारा परीक्षा क्यों देनी पड़ रही है? लोक शिक्षण आयुक्त के आदेश में फिलहाल इस पर कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। साथ ही, वे शिक्षक जो अब पदोन्नत होकर हाईस्कूल या हायर सेकंडरी में पढ़ा रहे हैं, वे भी इस असमंजस में हैं कि यह आदेश उन पर प्रभावी होगा या नहीं।

शिक्षक संगठनों ने खोला मोर्चा

मप्र शासकीय शिक्षक संघ के कार्यकारी जिला अध्यक्ष कमल अवस्थी ने सरकार से मांग की है कि वह सुप्रीम कोर्ट के समक्ष शिक्षकों का पक्ष मजबूती से रखे। उनका कहना है कि नियुक्ति के बाद भर्ती नियमों में बदलाव करना अनुचित है। यदि सरकार रिव्यू पिटीशन दाखिल नहीं करती, तो शिक्षक संगठन अपने स्तर पर कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे।

इनका कहना है -

यह आदेश उन प्राइमरी और माध्यमिक शिक्षकों के लिए है जिन्होंने अब तक टीईटी परीक्षा नहीं दी है। जिले में ऐसे लगभग 3100 शिक्षक चिह्नित किए गए हैं। आगामी जुलाई-अगस्त में यह परीक्षा प्रस्तावित है, जिसकी सूचना जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।

ए.एस. पॉडिय
जिला शिक्षा अधिकारी, छतरपुर

प्रस्फुटन समितियों का त्रैमासिक क्षमता वर्धन प्रशिक्षण सम्पन्न

छतरपुर। राजनगर तहसील के सेक्टर चंद्रनगर अंतर्गत ग्राम पंचायत बमीठा में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, भोपाल के निर्देशानुसार नवांकुर संस्था माइन्ड इम्पॉवरिंग सोशल फाउंडेशन के द्वारा

प्रस्फुटन समितियों का त्रैमासिक क्षमता वर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम पंचायत बमीठा के सरपंच सनत जैन, उद्यानिकी प्रभारी श्याम बाबू प्रजापति तथा सचिव राजनारायण रैकवार की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के प्रारंभ में उपस्थित प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण किट वितरित की गई। प्रशिक्षण के विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया। द्वितीय सत्र में परामर्शदाता जीतेन्द्र सिंह ने स्वैच्छिक संस्थाओं के गठन एवं प्रबंधन के बारे में जानकारी दी। तृतीय सत्र में जलज जैन ने ग्राम विकास की अवधारणा पर विस्तार से चर्चा की, वहीं चतुर्थ सत्र में माइन्ड इम्पॉवरिंग सोशल फाउंडेशन नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि मनीष खटीक ने प्रस्फुटन समितियों के दस्तावेजीकरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी साझा की समापन सत्र में मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक आशीष ताम्रकार तथा जनपद पंचायत उपाध्यक्ष पुष्पेंद्र अवस्थी (भाजपा मंडल अध्यक्ष) के करकमलों से कार्यक्रम का समापन किया गया। इस अवसर पर ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के अध्यक्ष, सचिव एवं सदस्य सहित नवांकुर सखियों और युवाओं की उत्साहपूर्ण उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में प्रशिक्षण प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी वितरित किए गए।

गैस सिलेंडर का बढ़ा संकट कालाबाजारी शुरू

‹होटल और चाय की दुकान में दो हजार में बिका घरेलू गैस ईरान और इजरायल युद्ध का असर पहुंचा भारत

ईरान और इजरायल युद्ध का असर पेट्रो पदार्थों पर साफ तौर पर दिखने लगा है। युद्ध की काली छाया एलपीजी गैस पर पड़ने लगी है। यही कारण है कि जिले में मंगलवार और बुधवार से कमर्शियल गैस सिलेंडर की आपूर्ति बंद हो गई है। इससे जिले के होटलों और रेस्टोरेंटों में परेशानी शुरू हो गई। संचालक आगामी दिनों का कोई आर्डर लेना बंद कर दिए हैं। वहीं इधर बीच होने वाले शादी समारोह के कार्यक्रमों पर भी संकट के बादल मंडराने लगे है।

रीवा।

कामर्शियल एलपीजी गैस की सप्लाई बंद होने से होटल, ढाबों, कैंटीन और कैटरिंग व्यवसाय से जुड़े लोगों को भारी परेशानी का सामना करना हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर की उपलब्धता होने से राहत है लेकिन बुधवार को लोग घरेलू सिलेंडर लेने के लिए टिकते हुए नजर आए। सभी एजेंसियों पर घरेलू गैस सिलेंडर तो उपलब्ध है लेकिन कमर्शियल सिलेंडर की उपलब्धता और बुकिंग पूरी तरह से बंद हो गई है। इससे व्यवसाय से जुड़े लोगों में खलबली मच गई है। ,बता दे इस बीच गैस एजेंसी में कमर्शियल गैस सिलेंडर के विक्रय पर भी रोक लग गई है। विगत 9 मार्च से होटल और रेस्टारेंट संचालकों को कमर्शियल और इंडसट्रियल गैस सिलेंडर नहीं मिल रहे हैं। इस कारण होटल और रेस्टारेंट संचालकों की परेशानी भी बढ़ गई है। अनुमानित शहर में 1 हजार उपभोक्ता कमर्शियल गैस सिलेंडर के हैं। जिनकी मासिक खपत 1500 सिलेंडर के लगभग रही, जिस पर अभी विराम लग गया है। 30 प्रतिशत आवक हुई कमसप्लाई की कटौती हो गई है। होली शहर में घरेलू गैस सिलेंडर त्योहार के बाद से शहर में गैस सिलेंडर की आवक कम हो गई है। पिछले एक सप्ताह से शहर की गैस वितरक एजेंसियों को 70 प्रतिशत ही गैस सिलेंडर की आपूर्ति हो रही है। फिलहाल 30 प्रतिशत के लगभग आवक कम है, जिसके चलते शहरवासियों को परेशानी का सामनाकरना पड़ रहा है। अमेरीका और ईरान के बीच संघर्ष की स्थिति के कारण यह समस्या उत्पन्न हो रही है। गौरतलब है कि शहर में मुख्य रूप से 7 गैस वितरक एजेंसी हैं। इनमें से 3 बड़ी गैस वितरक एजेंसी बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं को गैस की आपूर्ति कर रही हैंकालाबाजारी रोकने कवायद शुरूबताया गया है कि इन गैस एजेंसी संचालकों को अनुमानित प्रतिदिन 3250 घरेलू गैस सिलेंडर चाहिए। जबकि वर्तमान में लगभग 2275 गैस सिलेंडर की ही आपूर्ति हो रही है। इस प्रकार करीब 1 हजार उपभोक्ता प्रतिदिन गैस सिलेंडर प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। प्रयागराज डिपो से होने वाली आपूर्ति 4 मार्च के बाद से कुछ कम हो रही है, जिसके लिए प्रशासन ने कालाबाजारी पर रोकने मंथन शुरू कर दिया है। अंचल में स्थिति सामान्यः गैस सिलेंडर की यह शार्टेज फिलहाल शहर की गैस एजेंसियों में है।रोजमर्रा का काम होने लगा प्रभावितएक रेस्टोरेंट के संचालक महेश चावला का कहना है कि हाल के दिनों में कमर्शियल गैस की कीमतों में बढ़ोतरी ने पहले ही कारोबार पर दबाव बढ़ा दिया था। वहीं अब सप्लाई बंद होने से समस्या गंभीर हो गई है। ऐसा काफी दिनों तक रहा तो कारोबार बंद करना पड़ेगा। हम सब बेरोजगार हो जाएंगे और कर्मचारी भी सड़क पर आ जाएंगे। हालांकि अभी सिलेंडर है जिससे काम चल रहा है लेकिन एक या दो दिन में दिक्कत हो जाएगी। ऐसे में ग्राहकों के आगे की बुकिंग/आर्डर नहीं लिए जा रहे है। मिठाई प्रतिष्ठान के संचालक राजेश मिश्रा का कहना है कि कमर्शियल गैस की आपूर्ति बाधित होने से रोजमर्रा का काम प्रभावित हो रहा है।जिससे ग्राहकों को भी दिक्कत हो रही है। यदि स्थिति सामान्य नहीं हुई तो जल्द होटल और रेस्टोरेंट बंद करने की नौबत आ सकती है।

गैस सिलेंडर की किल्लत के बीच डिलीवरी वाहन से सिलेंडर ले गए लोग, कर्मचारी ने पुलिस को दी सूचना

रीवा। शहर में घरेलू गैस सिलेंडर की बढ़ती किल्लत के बीच बिछिया क्षेत्र से एक डिलीवरी वाहन से जबरन सिलेंडर ले जाने का मामला सामने आया है। घटना पुराने बिछिया थाने के पास की बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार, गुरुवार दोपहर एक गैस एजेंसी का कर्मचारी सिलेंडर से भरा डिलीवरी वाहन लेकर क्षेत्र में वितरण के लिए पहुंचा था। इसी दौरान करीब 20 से 22 की संख्या में अज्ञात लोग वहां आ गए और वाहन से भरे हुए गैस सिलेंडर जबरन उतारकर अपने साथ ले गए। डिलीवरी वाहन चालक ने बताया कि लोगों की संख्या अधिक होने और स्थिति तनावपूर्ण होने के कारण वह उन्हें रोकने का प्रयास नहीं कर सका। घटना के बाद चालक ने बिछिया थाने पहुंचकर पुलिस को मौखिक सूचना दी। साथ ही इस घटना की जानकारी एजेंसी संचालक को भी दी गई है। इस घटना के बाद क्षेत्र में गैस सिलेंडर की कमी को लेकर लोगों के बीच बढ़ती अफरा-तफरी का अंदाजा लगाया जा सकता है। हालात ऐसे हो गए हैं कि लोग डिलीवरी वाहन से ही सिलेंडर उठाकर ले जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जानकारी मिली है और जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

खबर संक्षेप

कंट्रोल रूम में गैस की काला बाजारी की शिकायत दर्ज कराई जा सकती है - कलेक्टर

रीवा । कलेक्टर प्रतिभा पाल ने घरेलू गैस उपभोक्ताओं को निर्वाध रूप से बिना परेशानी के गैस उपलब्धता के निर्देश दिये हैं। कलेक्टर ने कहा कि जिले में पर्याप्त मात्रा में घरेलू गैस की उपलब्धता है। बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि पिछली डिलिवरी के 25 दिन बाद ही रिफिल बुकिंग स्वीकार की जा रही है अतः उपभोक्ता ऑनलाइन बुकिंग कराकर ही गैस लें और गैस उनके घर पर पहुंचाई जा रही है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की गोदाम, वितरण स्थल व गैस आफिस में अनावश्यक भीड़ न लगे और कानून व्यवस्था की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। उन्होंने गैस वितरकों को व्यवस्था सुनिश्चित कराकर गैस वितरण के निर्देश दिये। कलेक्टर ने बताया कि कालाबाजारी करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जा रही है। जिले की गैस गोदामों तथा वितरण स्थल एवं गैस कार्यालयों में लगातार गठित टीमों द्वारा निरीक्षण कर मानीटरिंग की जा रही है। जिले में स्थापित कंट्रोल रूम के नंबर 07622-255143 पर गैस की कालाबाजारी या अन्य संबंधित शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। इसके अतिरिक्त 9754086797 सुभाष द्विवेदी, 6265666501 अनमोल जैन एवं 9098007799 विनीत मिश्रा कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों के नंबर पर भी शिकायत एवं सुझाव दर्ज कराई जा सकती है। उन्होंने बताया कि व्यावसायिक प्रतिष्ठान कामर्शियल गैस की वैकल्पिक व्यवस्था के अनुसार अपने प्रतिष्ठान का संचालन कर रहे हैं। कलेक्टर ने बताया कि त्योंथर तहसील में एसडीएम व पुलिस द्वारा होटल व ढ़ाबों को चेक किया गया। घरेलू गैस सिलेण्डर के उपयोग पर छापेमारी की कार्यवाही भी की गई।

खड़े ट्रेलर से टकराई यात्री बस, आधा दर्जन घायल

रीवा। जिले के सोहागी थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के एक भीषण सड़क हादसा हो गया। प्रयागराज–राष्ट्रीय राजमार्ग 30 पर खड़े गिट्टी से लदे ट्रेलर से एक यात्री बस टकरा गई, जिससे बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और बस में सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे में करीब आधा दर्जन यात्री घायल हो गए, जिन्हें तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह करीब चार बजे छत्तीसगढ़ से लखनऊ जा रही एक यात्री बस जब जिले के सोहागी थाना क्षेत्र से गुजर रही थी, तभी हाईवे पर खड़े गिट्टी से लदे ट्रेलर के पीछे जाकर टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही सोहागी थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से घायलों को बस से बाहर निकाला गया और तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसे में करीब छह यात्री घायल हुए हैं, जिनका उपचार जारी है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना अल सुबह करीब चार बजे की है। हादसे के समय बस तेज रफ्तार में थी और चालक का वाहन पर नियंत्रण नहीं रहा, जिसके कारण बस सीधे खड़े ट्रेलर में जा टकराई।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में मनाया गया विश्व किडनी दिवस

रीवा ।

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल रीवा में 12 मार्च को विश्व किडनी दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता श्याम शाह चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. सुनील अग्रवाल ने की। इस अवसर पर अस्पताल के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष एवं वरिष्ठ चिकित्सक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान डॉ. सुनील अग्रवाल ने पिछले एक वर्ष में अस्पताल में सफलतापूर्वक किडनी ट्रांसप्लांट कराने वाले मरीजों को सम्मानित किया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि उप मुख्यमंत्री तथा स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल जी के प्रयासों से रीवा में किडनी ट्रांसप्लांट संभव हो सका है, जिससे भविष्य में और भी जिंदगियां बचाई जा सकेंगी। सुपर स्पेशलिटी के अधीक्षक डॉ. अक्षय श्रीवास्तव ने बताया कि अस्पताल में आने वाले किडनी के रोगियों को किडनी स्वस्थ रखने के लिए चिकित्सकों द्वारा उचित परामर्श देने के साथ ही बेहतर इलाज प्रदान किया जाता है। डॉ. पुष्पेन्द्र शुक्ला यूरोलॉजी विभाग एवं प्रभारी अंग प्रत्यारोपण ने जानकारी दी कि विगत वर्ष से अभी तक अस्पताल में 9 किडनी ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए जा चुके हैं। पूर्व में विंध्य क्षेत्र के मरीजों को ट्रांसप्लांट के लिए दूसरे शहरों में जाना पड़ता था। ये सभी ऑपरेशन शासन की आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क किए गए हैं। इस वर्ष की थीम किडनी हेल्थ फॉर आल, केयरिंग फॉर पीपल, प्रोटेक्टिंग दल प्लैनेट पर चर्चा करते हुए नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. रोहन द्विवेदी ने बताया कि किडनी शरीर का अति महत्वपूर्ण अंग है, जिसकी कार्यप्रणाली की समय-समय पर जांच करानी चाहिए। बेहतर किडनी स्वास्थ्य के लिए अधिक पानी पीना और संतुलित आहार लेना अनिवार्य है। डॉ. रामचंद्र पटेल ने सचेत किया कि वायु और जल प्रदूषण भी किडनी खराब होने का कारण बन सकते हैं, इसलिए पर्यावरण की शुद्धता भी स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. रोहन द्विवेदी ने उपस्थित समस्त नर्सिंग स्टाफ, डायलिसिस टेक्नीशियन और मीडिया कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर ने नरवाई जलाने पर धारा 163 के तहत दिए प्रतिबंध के आदेश, नरवाई में आग लगाने वालों पर होगी कठोर कार्यवाही

रीवा ।

जिले में कृषकों तथा पशुपालकों को भूसे की उपलब्धता सुनिश्चित कराने तथा गर्मियों में होने वाली आग की दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने के लिये कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी प्रतिभा पाल ने नरवाई जलाने पर प्रतिबंध के आदेश दिए हैं। यह आदेश सम्पूर्ण रीवा जिले में तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है। यह आदेश भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जारी किए गए हैं। प्रतिबंध का उल्लंघन करके नरवाई जलाने पर दो एकड़ से कम जमीन वाले किसानों पर 2500 रुपए, दो से पाँच एकड़ तक के किसानों पर 5000 रुपए तथा पाँच एकड़ से अधिक जमीन वाले किसानों पर 15000 रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 223 के तहत प्रकरण दर्ज कर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। वर्तमान परिस्थितियों में आदेश की व्यक्तिशः तामीली संभव नहीं है इसलिए भारतीय नागरिक संहिता की 2023 धारा 163 (2) के तहत आदेश एक पक्षीय रूप से पारित किया जा रहा है। विभिन्न संचार माध्यमों से इसकी सूचना आमजनता को दी जा रही है। जारी आदेश के अनुसार रबी फसलों की कटाई के बाद खेतों को आग के हवाले करने वाले किसानों के खिलाफ अब कठोर कार्यवाही की जाएगी। हार्वेस्टर के माध्यम से गेंहू की कटाई करने पर उसमें स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिन हार्वेस्टरों में अवशेष प्रबंधन सिस्टम नही होगा, उन्हें गेंहू काटने की अनुमति नही दी जायेगी आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की जायेगी। जिले में चलने वाले कम्बाइन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रारीपर लगाना अनिवार्य होगा। जिला परिवहन अधिकारी इसकी निगरानी करें। इसका उल्लंघन करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही करें। खेत में नरवाई जलाने से मिट्टी के कई लाभदायक सूक्ष्मजीव एवं जैविक कार्बन जलकर नष्ट हो जाते हैं। जिसके कारण मिट्टी कठोर हो जाती है। इसकी जल धारण क्षमता घट जाती है। इसलिए नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। नरवाई जलाने के स्थान पर इसको स्ट्रारीपर से भूसा बनाकर पशुओं के भोजन के रूप में उपयोग करें। किसान यदि गेंहू के बाद अन्य कोई फसल लेना चाहता है तो हैप्पी सीडर और सुपर सीडर से फसल की बोनी करे। इससे नरवाई मिट्टी में मिलकर खाद के रूप में फसल के लिए पोषण का कार्य करेगी। नरवाई को बेलर, रैकर एवं चापर मशीन की सहायता से बंडल बनाकर औद्योगिक ईंधन के रूप में भी उपयोग किया जा सकता है। जारी आदेश के अनुसार पर्यावरण विभाग द्वारा जारी 2017 के नोटिफिकेशन में नरवाई जलाने पर दण्ड आरोपित करने का प्रावधान किया गया है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल द्वारा भी फसल अवशेष अथवा नरवाई को जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इसका उल्लंघन करने पर किसान पर दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी। जारी आदेश को पालन कराने के लिए अपर कलेक्टर की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जिला स्तरीय समिति गठित की गई है। साथ ही सभी अनुभागों में एसडीएम की अध्यक्षता में निगरानी समिति गठित की गई है। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए खण्ड स्तर पर नायब तहसीलदार, कृषि विस्तार अधिकारी एवं थाना प्रभारी को जिम्मेदारी दी गई है। जिला दण्डाधिकारी ने ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों को पटवारी के साथ नरवाई जलाने की घटनाओं का प्रतिवेदन तैयार कर तहसीलदार को भेजने के निर्देश दिए हैं। तहसीलदार नरवाई जलाने वाले किसानों की सुनवाई करके एसडीएम के माध्यम से अंतिम निराकरण के लिए प्रतिवेदन प्रस्तुत करेंगे। कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक एवं समस्त अनुविभागीय दण्डाधिकारी (राजस्व), तहसीलदार एवं कृषि विभाग के संबंधित अधिकारियों को इस संबंध में कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया है।

तालाब की जमीन से हटाया गया अतिक्रमणः दुआरी में 23 से अधिक मकान जमींदोज

रीवा। जिले के हुजूर तहसील अंतर्गत ग्राम दुआरी में स्थित दुआरी तालाब की भूमि पर वर्षों से किए गए अवैध कब्जों को गुरुवार को प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए हटवा दिया। राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर तालाब की जमीन पर बनाए गए 23 से अधिक मकानों और अन्य निर्माणों को जेसीबी मशीनों की मदद से ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान प्रशासन के साथ बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात रहा। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार दुआरी तालाब की भूमि पर लंबे समय से लोगों द्वारा अवैध रूप से कब्जा कर मकान बना लिए गए थे। कई बार नोटिस और समझाइश देने के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाया गया, जिसके बाद राजस्व न्यायालय के आदेश पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान कुछ अतिक्रमणकारियों ने प्रशासन की कार्रवाई का विरोध भी किया। कुछ लोगों ने नारेबाजी करते हुए कार्रवाई रोकने की कोशिश की, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए प्रशासनिक टीम को कार्रवाई पूरी कराने में सहयोग किया। सुरक्षा के मद्देनजर पूरे क्षेत्र में पुलिस की कड़ी निगरानी रखी गई।राजस्व न्यायालय के आदेश के बाद हुई कार्रवाईइस संबंध में तहसीलदार शिवशंकर शुक्ला ने बताया कि दुआरी तालाब की जमीन पर करीब 23 मकान बनाकर अतिक्रमण कर लिया गया था। इस मामले में राजस्व न्यायालय द्वारा वर्ष 2023 में ही अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी कर दिए गए थे। आदेश के बाद संबंधित लोगों को कई बार नोटिस भी दिए गए, लेकिन अतिक्रमण नहीं हटाया गया। उन्होंने बताया कि इसके अलावा वर्ष 2014 में उच्च न्यायालय द्वारा भी प्रदेशभर में तालाब, कुएं, नालों और अन्य जल संरचनाओं की भूमि से अवैध कब्जे हटाने के निर्देश जारी किए गए थे। इन निर्देशों के पालन में जिला प्रशासन द्वारा जल स्रोतों की जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है।उच्च न्यायालय को भेजी जाएगी रिपोर्टतहसीलदार ने बताया कि इस महीने जिला प्रशासन को उच्च न्यायालय को यह जानकारी भी भेजनी है कि जिले में जल संरचनाओं से अतिक्रमण हटाने के लिए क्या-क्या कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में दुआरी तालाब से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई है। उन्होंने कहा कि तालाब और अन्य जल स्रोत पर्यावरण और जल संरक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। इनकी भूमि पर अवैध निर्माण होने से जल स्रोतों का अस्तित्व खतरे में पड़ जाता है, इसलिए ऐसे अतिक्रमणों को हटाना आवश्यक है।

गुमशुदा 17 वर्षीय युवती को परिजनों को सौंपा

मऊगंज। जिले के अंतर्गत लौर थाना पुलिस ने एक सराहनीय कार्य करते हुए गुमशुदा नाबालिग युवती को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दिलीप कुमार सोनी द्वारा नाबालिग बच्चों की दस्तयाबी के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना लौर क्षेत्र के ग्राम अमोच निवासी एक व्यक्ति ने अपनी 17 वर्षीय पुत्री के गुम हो जाने की सूचना थाना लौर में दर्ज कराई थी। मामला गंभीर होने के कारण पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर तत्काल कार्रवाई शुरू की गई। इस अभियान में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह एवं एसडीओपी श्रीमती सचि पाठक के मार्गदर्शन में थाना लौर पुलिस ने सक्रियता दिखाते हुए युवती की तलाश तेज कर दी। पुलिस टीम ने विभिन्न स्थानों पर लगातार तलाश और जानकारी जुटाने का कार्य किया। लगातार प्रयासों के बाद थाना लौर पुलिस को सफलता मिली और

गुमशुदा 17 वर्षीय युवती को सकुशल बरामद कर लिया गया। इसके बाद आवश्यक कार्रवाई पूरी करते हुए युवती को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बेटी के सकुशल मिलने पर परिजनों ने पुलिस का आभार व्यक्त किया। इस पूरे अभियान में थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश पटेल, सहायक उपनिरीक्षक रमेश भारती, आरक्षक वीरेन्द्र शुक्ला, महिला आरक्षक नूतन मिश्रा (थाना लौर) तथा आरक्षक शशिकांत रजक (थाना मऊगंज) की महत्वपूर्ण भूमिका रही। स्थानीय नागरिकों ने भी लौर थाना पुलिस की इस तत्परता और कार्यशैली की सराहना की है। पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत इस प्रकार की कार्रवाई से नाबालिग बच्चों की सुरक्षा को लेकर लोगों में विश्वास और मजबूत हुआ है।

दहेज हत्या के पांच आरोपियों को किया गिरफ्तार

मऊगंज। पुलिस अधीक्षक दिलीप सोनी के निर्देशन में एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विक्रम सिंह के मार्गदर्शन में एसडीओपी श्रीमती सचि पाठक व्दारा अपने हमराह स्टाफ के दहेज हत्या के 05 नफर आरोपियों को गिरफ्तार कर पहुंचाया सलाखों के पीछे। घटना के संबंध मे बताया गया कि थाना मऊगंज के मर्ग क्रमांक 21/2026 धारा 194 बीएनएमएस की मृतिका श्रीमती कुंती केवट पत्ति कुशल केवट उम्र 20 वर्ष निवासी हर्रई मुड़हान थाना मऊगंज की नवविवाहिता होने के कारण मर्ग जांच अनुविभागीय अधिकारी द्वारा की गयी है। मर्ग जांच के दौरान मृतिका के पिता शिवनारायण केवट पिता गल्होरी केवट उम्र 48 वर्ष, माँ श्रीमती बाबी केवट पति श्री शिवनारायण केवट उम्र 45 वर्ष एवं भाई अनुराग केवट पिता श्री शिवनारायण केवट उम्र 17 वर्ष सभी निवासी शिवराजपुर थाना नईगदी जिला मऊगंज (म.प्र.) के कथन लिये गये जिनके द्वारा अपने-अपने कथनो में बताये कि मृतिका कुंती केवट का पति कुशल केवट, ससुर रामसजीवन केवट, मास कमलेशवती केवट, जेठ लवकुश केवट एवं जेठानी गीता केवट द्वारा दहेज में मोटर साइकिल की मॉग की जाती थी नहीं दे पाने के कारण मृतिका कुंती केवट को मारपीट कर शारीरिक एवं मानसिक रुप से प्रताडित करते ये तथा मृतिका का ससुर रामसजीवन केवट मृतिका के साथ अश्लील हरकत करता था एवं दिनांक 23.02.2026 को मारपीट कर हत्या कर देना बताये। सम्पूर्ण मर्ग जांच, मर्ग इन्टीमेशन, घटना स्थल का निरीक्षण, शव पंचायतनामा, पी.एम. रिपोर्ट आदि के अवलोकन एवं मृतिका के मायके पक्ष के कथनी से मृतिका की मृत्यु सामान्य परिस्थितियो में अन्यथा शादी के 09 माह के अन्दर पाये जाने से मृतिका के पति कुशल केवट पिता रामसजीवन केवट, ससुर रामसजीवन केवट, सास कमलेशवती केवट पति रामसजीवन केवट, जेठ लवकुश केवट पिता रामसजीवन केवट एवं जेठानी गीता केवट पति लवकुश केवट सभी निवासी हर्रई मुड़हान थाना मऊगंज के विरुद्ध प्रथम दृष्टया अपराध धारा 85,80 (2), 74, 3 (5) बीएनएस एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम का प्रमाणित पाये जाने से थाना मऊगंज में अपराध क्रमांक 139/26 का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया। दौरान विवेचना 05 नफर आरोपियों को गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय पेश किया गया है। आरोपियो को गिरफ्तार करने मे सउनि सतेन्द्र सिंह, आर 118 धर्मराज प्रजापति, आर. 132 धर्मराज यादव, आर. 102 अरविन्द मेहरा, आर.98 सुरेश यादव, आर. 45 प्रमोद, आर 57 संजीव सिंह महिला आर 34 अकांक्षा सिंह, महिला आर.79 रेखा पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

REWA INSTITUTE OF TECHNOLOGY
Approved By AICTE New Delhi, Recognized by DTE M.P. Govt. and Affiliated to APSU Rewa
Email Id-ritrewa2003@gmail.com 9826084326

Applications are invited for MBA course for the following post. Interested candidate may please apply within 7 days. Appointment will be made under college code-28 (APS University, Rewa) in the U.G.C./AICTE Norms.

S.No.	Name of Post	Qualification & Experience
1.	Principal-1	As per U.G.C./AICTE norms Specialization in Finance/ Marketing/ H.R. & IT
2.	Professor-1	
3.	Associate Professor-5	
4.	Assistant Professor-6	

Director
RIT Rewa

REWA COLLEGE OF EDUCATION
NH-30, Prayagraj Road, Ratahara, Rewa (M.P.)
Email Id-ritrewa2003@gmail.com 9425343999

Applications are invited for B.Ed. course for the following post. Interested candidate may apply within 7 days. Appointment will be made under college code-28 (APS University, Rewa) Salary according to NCTE / UGC norms.

S.No.	Name of Post	Qualification & Experience
1	Principal -1	As per U.G.C./ NCTE norms
2	Asst.Professor Education-3, Arts-2, Math-1, Life Sc.-1, Fine Arts-1, Physical Edu.-1, Music-1	

Director
RCE Rewa